सूखा ग्रस्त क्षेत्रों में राहत के लिये 9321 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज - भजनलाल

वार्षिक औसत से 20 प्रतिशत वर्षा कम होने से 15 जिलों की 87 तहसीलें सूखाग्रस्त घोषित

जयपुर, 13 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राजस्थान के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में राहत पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने 9 हजार 321 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की व्यवस्था की है। उन्होंने आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग करने के दिशा-निर्देश प्रदान किए हैं। उन्होंने प्रभावित जिलों में जिला प्रशासन से निरंतर संपर्क बनाए रखने एवं आमजन, किसानों व पशुपालकों के लिए पेयजल, सिंचाई व चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में सामान्य से कम वर्षा हुई है, वहां आवश्यकतानुसार चारा डिपो का सुव्यवस्थित संचालन किया जाए। साथ ही, गोशालाओं के माध्यम से भी पशुओं के लिए पेयजल व चारे की समुचित व्यवस्था रखी जाए।

उन्होंने कहा कि प्रभावित जिलों में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा वीबी-जीराम-जी, राजीविका एवं आवासीय योजनाओं के माध्यम से रोजगार एवं आजीविका संबंधी कार्यों का संचालन किया जाए। उन्होंने प्रभावित जिलों में खरीफ फसल खराबे की गिरदावरी के आधार पर आंकलन रिपोर्ट तैयार करने तथा काश्तकारों को राहत पहुंचाने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश प्रदान किए हैं।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग की बैठक में आमजन, किसानों व पशुपालकों के लिये पेयजल, सिंचाई और चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।**

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कंटीजेन्सी प्लान के आधार पर पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाए। वहीं, विद्युत विभाग द्वारा नलकूप के विद्युत कनेक्शन प्राथमिकता से जारी किए जाएं। उन्होंने आवश्यकतानुसार पेयजल परिवहन की समुचित व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान में मानसून सत्र में औसत वार्षिक वर्षा लगभग 20 प्रतिशत कम होने के कारण, कुल 15 जिलों की 87 तहसीलों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है। इन तहसीलों में से 73 तहसील गंभीर सूखाग्रस्त श्रेणी एवं 14 तहसील मध्यम सूखाग्रस्त श्रेणी में शामिल हैं।

अगले साल तेल की कीमत 70 हजार प्रति बैरल हो सकती है

नई दिल्ली, 13 नवंबर। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2027 में कच्चे तेल की कीमतें कम होकर लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिसमें अमेरिका-

- **स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट का आंकलन।**

ईरान संघर्ष के ठंडा पड़ने, पश्चिम एशिया से कच्चे तेल के निर्यात में वृद्धि और वैश्विक तेल बाजारों पर दबाव कम होना शामिल है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उसके एलटीएसएम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले 10 दिनों में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में नरमी आ सकती है और औसत कीमत लगभग 87 डालर प्रति बैरल रह सकती है। एलटीएसएम एक डीप लर्निंग तकनीक है, जिसका उपयोग पुराने और क्रमबद्ध डेटा के आधार पर भविष्य की घटनाओं या आंकड़ों का सटीक अनुमान लगाने के लिए किया जाता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि बाहरी माहौल में सुधार उन कारकों में से एक है, जिसके आधार पर एसबीआई ने आरबीआई की आगामी मौद्रिक नीति के फैसले का आकलन किया है।

कांजीरंगा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से बढ़ रही है और कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा, "घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए पहले से ही नौ एम्बुलेंस तैनात हैं।

माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं ने कई देशों में काम अटकाये

ऑस्ट्रेलिया, जापान, फिलीपींस में सरकारी प्रणालियों व अदालत के कामकाज में अड़चनें आईं

वॉशिंगटन, 13 नवंबर। माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक आउटेज के कारण शुक्रवार को कई देशों में कारोबार और सरकारी कामकाज प्रभावित हुए। हांगकांग में बैंकिंग सेवाएं बाधित हुईं, ऑस्ट्रेलिया और जापान में सरकारी प्रणालियों को समस्याओं का सामना करना पड़ा और फिलीपींस की अदालतों में कामकाज में देरी की सूचना मिली।

गुरुवार को शुरू हुई इस रुकावट के कारण लाखों उपयोगकर्ताओं को आउटलुक, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स और अन्य माइक्रोसॉफ्ट 365 एप्लिकेशन जैसी जरूरी सेवाओं का उपयोग करने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

अमेरिकी टेक कंपनी द्वारा इस समस्या की पहली बार जानकारी दिए जाने के 12 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी, इसके इंजीनियर सेवाओं को पूरी तरह से बहाल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। माइक्रोसॉफ्ट ने कुछ प्रगति की जानकारी दी, लेकिन यह भी माना कि सर्विस को बेहतर बनाने की कोशिशें उम्मीद के मुताबिक काम नहीं कर रही हैं। कंपनी ने कहा कि उसे इस रुकावट के पीछे किसी भी तरह की दुर्भावनापूर्ण गतिविधि का कोई सबूत नहीं मिला है।

मॉर्गन स्टेनली और गोल्डमैन सैक्स जैसे बड़े वित्तीय संस्थानों के कर्मचारियों ने बताया कि वे ईमेल और माइक्रोसॉफ्ट टीम्स का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनके काम में रुकावट आ रही है। सीएनएन से बात करते हुए एक बैंकर ने बताया कि कुछ ईमेल तो आ रहे हैं, लेकिन लाखों संदेश संभवत: बैकलाग में फंस गए हैं। इस रुकावट का असर उन व्यवसायों पर भी पड़ा है, जो विदेशी ग्राहकों के साथ बातचीत पर निर्भर हैं।

ऑस्ट्रेलिया में स्कूलों, अदालतों और सरकारी सेवाओं में कामकाज प्रभावित हुआ। कर्मचारियों को आउटलुक और अन्य माइक्रोसॉफ्ट एप्लिकेशन खोलने में दिक्कत आ रही थी। ऑस्ट्रेलिया के गृह मामलों के मंत्री टोनी बर्क ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट ने इस घटना की तुलना जुलाई 2024 में हुए क्राउडस्ट्राइक आउटेज से की है।

- **अमेरिका के एक बैंकर के अनुसार, कुछ ईमेल तो आ रहे हैं, लेकिन लाखों संदेश संभवत: बैकलॉग में फंस गये हैं।**

प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु मैट्रो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मौके पर साथ-साथ नजर आए। पीएम मोदी और कर्नाटक के सीएम ने पहले टिकट काउंटर से मेट्रो का टिकट लिया और साथ में ही मेट्रो में सफर किया। मेट्रो में सफर के दौरान प्रधानमंत्री और राज्य के मुख्यमंत्री साथ में बात करते नजर आए।

प्रधानमंत्री ने मेट्रो की सभी सेवाओं को खुद इस्तेमाल करके देखा। मेट्रो का यह एलिवेटेड (ऊपर बना) सेक्शन छह स्टेशनों को जोड़ेगा। इस मेट्रो रूट के शुरू होने के साथ ही, बेंगलुरु का चालू मेट्रो नेटवर्क पहली बार 100 किलोमीटर से अधिक का हो गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, कलेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक की पिंक लाइन को लगभग 3,470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है।

सऊदी अरब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की कि वह रियाद और जेद्दा आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानों को 30 नवंबर तक निलंबित रखेगी।

बंगाल की खाड़ी में एक और चक्रवाती तूफान की संभावना बढ़ी

नई दिल्ली, 13 नवंबर। देश भर में बदलते मौसम के कारण एक तरफ जहां अलग-अलग क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं, वहीं दूसरी तरफ दिल्ली-एनसीआर में दिन-ब-दिन धुंध और कोहरा बढ़ ने का अनुमान है। इसके अलावा, मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने दबाव के क्षेत्र के एक चक्रवाती तूफान में तब्दील होकर और अधिक तीव्र होने की प्रबल संभावना है।

- **मौसम विभाग ने रविवार को कई राज्यों में वर्षा व आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया**

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को कुछ बादल छाए रहने के आसार हैं। सुबह के समय अधिकतर जगहों पर हल्का कोहरा रहने की संभावना है। यहां का अधिकतम तापमान 27-29 डिग्री सेल्सियसलय और न्यूनतम तापमान 16-18 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

'प्र.मंत्री मेरा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुरक्षा, जैसे मुद्दों पर खुली चर्चा की मांग कर रहे हैं।

भाजपा नेताओं ने बार-बार गांधी की बहस की चुनौतियों को खारिज किया है और उन पर संसद में महत्वपूर्ण मुद्दों पर ठोस बहस से बचने का आरोप लगाया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पहले सवाल उठाया था कि जब संसद में चर्चा के लिए जगह मौजूद है, तो गांधी प्रधानमंत्री से बहस के लिए कोई दूसरी जगह चुनने को क्यों कह रहे हैं।

अकाली दल व भाजपा गठबंधन इसी माह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टियों को अलग-अलग लड़ने पर 10 से 20 प्रतिशत के बीच वोट मिले हैं। साथ मिलकर वो एक मजबूत चुनावी ताकत बन सकते हैं, हालांकि एक पार्टी के वोट दूसरी पार्टी को कितने ट्रांसफर होंगे, यह अभी निश्चित नहीं है।

अकाली दल गठबंधन के लिए इसलिए भी तैयार हुआ है, क्योंकि चुनावों में उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा है और अब उसके सामने अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने तथा प्रासंगिकता बनाए रखने की चुनौती है। 2020 में गठबंधन टूटने के बाद, दोनों दलों को अलग-अलग चुनाव लड़ने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। अकाली दल की संगठनात्मक ताकत कम हुई है तथा उस पर मतदाताओं का भरोसा भी कम हुआ है।

पार्टी के सूत्रों और नेताओं ने संकेत दिया है कि वे वैचारिक रूप से समान सोच वाले दलों के साथ गठबंधन करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन से इनकार किया है। उनका मानना है कि भाजपा के साथ गठबंधन राजनीतिक रूप से पार्टी के फिर से मजबूत होने का व्यावहारिक रास्ता हो सकता है।

इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में अगस्त 2026 में सुखबीर बादल की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हुई मुलाकात भी शामिल है। इस मुलाकात ने, कृषि कानूनों (जो अब रद्द किये जा चुके हैं) को लेकर दोनों दलों के बीच 2020 में हुए तीखे मतभेद और गठबंधन टूटने के बाद सुलह की बातचीत को चुपचाप फिर से शुरू कर दिया है। इसके बाद, अमित शाह के उन बयानों से भी भाजपा के रुख में नरमी के स्पष्ट संकेत मिले, जिनमें उन्होंने राज्य में एनडीए सरकार का उल्लेख किया था। यह संकेत भाजपा के पहले के उस रुख से अलग था, जिसमें वह पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने की बात कर रही थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908